

Report of the
One day awareness cum workshop programme on
“Fish Health Management”
Under SCSP program
Organized by:
ICAR-CIFE, Mumbai
In collaboration with
KVK, Mungeli
at Farhada, Mungeli District, Chhattisgarh
on 05.03.2025

One day awareness cum workshop programme on “Fish Health Management” under SCSP program was conducted on 05.03.2025 at Farhada, Mungeli District, Chhattisgarh in collaboration with KVK, Mungeli, Chhattisgarh. The program were conducted under the guidance of Dr. Ravishankar C.N., Director and Vice-Chancellor, Dr. N.P. Sahu, Joint Director, Dr. Megha Kadam Bedekar, Head of the AEHM Division, and Dr. Sukham Munilkumar, Nodal Officer SCSP of ICAR-CIFE, Mumbai. Thirty farmers from Mungeli district have participated in the training program. Dr. Arun Sharma, Senior Scientist and coordinator welcomed all the dignitaries and the participants. Mr. Sahu, Sarpanch, Farhada Gram Panchayat and the chief guest of the programme emphasized the importance of fish health management in fish farming and appreciated the effort of ICAR-CIFE, Mumbai for conducting such programme. During the program, two training manuals on “Fish diseases and their Management” (English and Hindi) were released. Experts from ICAR-CIFE, Mumbai, including Dr. Arun Sharma, and Dr. Saloni Shivam, along with Dr. Pradeep Kumar Singh from KVK Mungeli, conducted technical sessions covering fish disease identification, bacterial, viral, and parasitic infections, biosecurity measures, and disease prevention strategies. Farmers were also trained in water quality assessment, pond management, and feeding practices. The session concluded with an interactive discussion, addressing farmer queries. The farmers expressed keen interest in follow-up training programs and continued technical guidance for better fish health management. 20,000 advanced fish fingerlings comprising of Catla: 8000, Rohu: 6000 and Mrigal: 6000 nos. were distributed among the fish farmers. The programme was coordinated by Dr. Arun Sharma, and Dr. Saloni Shivam, and Dr. Pradeep Kumar Singh.



एससीएसपी कार्यक्रम के तहत आयोजित
"मछली स्वास्थ्य प्रबंधन" पर
एक दिवसीय जागरूकता सह कार्यशाला कार्यक्रम
की रिपोर्ट

आयोजक: आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई, केवीके, मुंगेली, छत्तीसगढ़ के सहयोग से आयोजित

दिनांक: 05.03.2025

दिनांक 05.03.2025 को छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के फरहदा में SCSP कार्यक्रम के तहत "मछली स्वास्थ्य प्रबंधन" पर एक दिवसीय जागरूकता संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई, द्वारा केवीके, मुंगेली, छत्तीसगढ़ के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम डॉ. रविशंकर सी.एन., निदेशक और कुलपति, डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक, डॉ. मेघा कदम बेडेकर, AEHM विभाग की प्रमुख, और डॉ. सुखम मुनीलकुमार, ICAR-CIFE, मुंबई के SCSP नोडल अधिकारी की दिशा-निर्देश में आयोजित किया गया था। मुंगेली जिले के तीस किसान इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। डॉ. अरुण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक और समन्वयक ने सभी सम्मानित मेहमानों और प्रतिभागियों का स्वागत किया था। श्री साहू, सरपंच, फरहदा ग्राम पंचायत और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने मछली पालन में मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया और इस तरह के कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए मुंबई के ICAR-CIFE के प्रयासों की सराहना की थी। कार्यक्रम के दौरान "मछली बीमारियाँ और उनका प्रबंधन" (अंग्रेजी और हिंदी) पर दो प्रशिक्षण मैनुअल का विमोचन किया गया था। ICAR-CIFE, मुंबई के विशेषज्ञों, जिसमें डॉ. अरुण शर्मा और डॉ. सलोनी शिवम, साथ में KVK मुंगेली के डॉ. प्रदीप कुमार सिंह शामिल थे, उन्होंने मछली रोग पहचान, बैक्टीरियल, वायरल और परजीवी संक्रमण, बायोसुरक्षा उपायों और रोग निवारण रणनीतियों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए थे। किसानों को पानी की गुणवत्ता आकलन, तालाब प्रबंधन और फीडिंग प्रथाओं में भी प्रशिक्षित किया गया था। सत्र का समापन एक इंटरैक्टिव चर्चा के साथ हुआ, जिसमें किसानों के प्रश्नों का समाधान किया गया था। किसानों ने बेहतर मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए फॉलो-अप प्रशिक्षण कार्यक्रमों और निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन में गहरी रुचि व्यक्त की थी। 20,000 उन्नत मछली के बीज, जिनमें कैतला: 8000, रोहू: 6000 और मृगल: 6000 नंबर शामिल थे, मछली किसानों में वितरित किए गए थे। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अरुण शर्मा, डॉ. सैलोनी शिवम और डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने किया था।

